उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष

चर्चा में क्यों?

राज्य के वन मंत्री सुबोध उनियाल के अनुसार, **वर्ष 2017 से अब तक** हिमालयी राज्य में **444 लोग** मानव-वन्यजीव संघर्ष में अपनी जान गंवा चुके हैं।

मुख्य बिंदु:

- पीड़ितों को मारने वाले जानवरों में तेंदुए, बाघ, **भालू, साँप,** हाथियों **और** तेंदुए शामिल थे।
- पीड़ितों के परिवार के सदस्यों को कुल 21.3 करोड़ रुपए वितरित किये गए हैं।
- पीड़ितों के लिये मुआवज़ा राशि बढ़ाने के अलावा, यह पहली बार है कि राज्य ने **मधुमक्खी, हॉर्नेट (तेज़ डंक मारने वाला भिड़), बंदर और** लंगूर द्वारा हमला किये गए लोगों को अनुग्रह राशि देने का प्रावधान किया है।
    - अनुग्रह भुगतान वह धनराशि है जो नैतिक दायित्व के कारण भुगतान किया जाता है न कि कानूनी दायित्व के कारण।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/human-wildlife-conflict-in-uttarakhand